

Çat. Br. 6, 3, 2, 18. In der klass. Sprache hat sich die Nebenform auf अर्धन् (°ऊर्ध्वी) nur im f. adj. Zusammensetzungen (diese sind zum Theil oxytona, zum Theil barytona) erhalten, P. 4, 1, 25. 26. 5, 4, 131. Vop. 4, 14. यदापीतासो ऋश्वो गविा न दुह्नु ऊर्ध्वमिः RV. 8, 9, 19. वत्सो न मातुरुर्ध्वं सूर्यधीनि 9, 69, 1. प्र पिप्य ऊर्ध्वघ्नोऽयाः 9, 93, 3. गवामूर्धस्सु वृत्तपोसु 10, 49, 10. 8, 31, 9. ऊर्ध्वं नमा वीरते 8, 2, 12. AV. 10, 9, 22. 10, 7. 8, 10, 12. यदैव स्त्रियै स्तनावाप्यापिते उधः पशूनाम् Çat. Br. 2, 3, 1, 5. 6, 3, 2, 17. 9, 3, 3, 15. उधसः Vīçv. 3, 2. पीनोधसम् (गाम्) MBu. 1, 6661. Dhātus. 96, 11. Uebertragen a) wie उपस्य von einem verwahrten, geheimen oder nur dem Freunde zugänglichen Orte; Busen: मातुरुर्ध्वे यदशौचवर्धनं RV. 3, 29, 14. मा नो नाभिः सन्ने सस्मिन्वर्धन् 4, 10, 8. प्र धेनवः सिन्ने वृत्त उध्वः 22, 6. उताहं नक्तमुत सोम ते दिवो मध्यायं वध ऊर्ध्वनि 9, 107, 20. सूर्याया उधो अदित्या उपस्यैः VS. p. 17. Çākh. Çr. 4, 11, 1. — b) vom Euter des Himmels d. h. der Wolke: उधः पर्वतस्य RV. 5, 32, 2. दिव्यम् 9, 107, 5. 10, 100, 11. रिक्त्यूधो ऋषयोसो अस्य 1, 146, 2. (वा) नृचतो ईधे दिवो ऋय ऊर्ध्वन् (oder zu a.) 10, 43, 3. यो ऋमै ऋस उत वा य ऊर्ध्वनि सोम सुनोति sereno vel nubilo (vgl. Naigh. 1, 7 = रात्रि Nir. 6, 19) 5, 34, 3. Mit einem Zahlwort verkürzt व्युधन् RV. 3, 56, 3. — Vgl. अर्ध्विज्ञात्री, अर्ध्वध्री, अर्ध्वस्, कोलालोधी, कुण्डोधी, योधी, रण्डाध्वन्, स्मद्धी.

ऊर्ध्व्य (von ऊर्ध्वन्) n. Milch gaṇa गवादि zu P. 5, 1, 2. — Vgl. ऊधस्य.

ऊर्ध्व und ऊधस् s. ऊधन्.

ऊधस्य (von ऊधस्) n. Milch H. 404. Ragh. 2, 66. — Vgl. ऊधन्य.

ऊधस्वती (wie eben) adj. f. ein volles Euter habend Buā. P. 1, 10, 4.

ऊर्ध्व Un. 3, 2. adj. woran Etwas fehlt, unter dem Maasse bleibend, unzureichend, zu klein, zu wenig, nachstehend (Gegens. पूर्ण, अतिरिक्त, अधिका) AK. 3, 4, 19, 130. हरे पूर्णेन वसति हरे ऊर्ध्वेन क्षीयते AV. 10, 8, 15. 44. यत् ऊर्ध्वं तत् आ पूरयाति 12, 1, 61. Çat. Br. 11, 3, 3, 7. यदिहो नवार्धं यदत्यरीरिचाम Ait. Br. 3, 24. Çat. Br. 11, 2, 3, 7. ऊर्ध्वं मे पूर्णता पूर्णं मे मा विगात् Pār. Grh. 2, 16, 4. Çākh. Çr. 2, 11, 2. उनातिरिक्तं VS. p. 180. TS. 5, 1, 8, 4. Çat. Br. 10, 3, 2, 13. ऊर्ध्वं वाग्धधिकं वापि लिख्यो रात्रिशासनम् Jāgñ. 2, 295. उनाद्विषयं nicht volle zwei Jahre alt 3, 1. उनाद्विषयिकं M. 3, 68. ऊनयोऽश्वयं R. 1, 22, 2. 3, 42, 23. ऊर्ध्वं न सत्त्वधिको ववाधे Ragh. 2, 14. उनातो स्वमातुतः M. 9, 123. Die Ergänzung im instr. oder im comp. (oxytonon) vorangehend P. 2, 1, 31. 6, 2, 153. द्वाभ्यामून् Çat. Br. 11, 1, 2, 9. Citat bei Gaupar. zu Sākhjak. 2. पञ्चाशद्भनं Kāt. Çr. 17, 7, 21. अल्पान् M. 8, 217. Rīga-Tar. 3, 170. Vop. 7, 63. संवत्सरः किंचिद्भनः Sāv. 4, 26. Ragh. 10, 1. BRAHMA-P. in LA. 36, 10. पूर्णं वर्षसहस्रे दशाने R. 1, 46, 12. 5, 1, 56. MBu. 2, 762. N. (Bopp) 20, 11. एकोनचवारिंश MBu. I, A dhj. 39 in der Unterschr. Gewöhnlich mit Weglassung von एक, z. B. उनाविंश der 19te, उनात्रिंश der 29ste MBu. III, A dhj. 19. 29 in der Unterschr. Mit einem abl. weniger, geringer als: कातोदतः मुहङ्गनतः संगमात्किंचिद्भनः Megh. 98. — Vgl. अर्धन्, न्यून.

ऊनक (von ऊन) adj. dass.: एकोन द्वाभ्यामित्यूनको निवृत् अतिरिक्तो भूरिक् Çākh. Çr. 7, 27, 27. — Vgl. अर्धन्.

ऊन्य (von ऊन), ऊन्यति unerfüllt lassen Dhātup. 33, 36. मा त्वयतो जैरितुः काममूनयिः RV. 1, 33, 3. P. 3, 1, 51. Sch. zu 6, 4, 75 und 7, 2, 5 (श्रीनयित् und klassisch श्रीनतः; श्रीनित् Vop. 18, 1). ऊनित = ऊन H. 130: महर्षैर्वर्षाणां द्विचवारिंशतो नितता (कोटिः).

ऊर्ध्व s. ऊर्ध्व.

ऊर्ध्व interj. 1) des Zorns AK. 3, 3, 18. H. an. 7, 5. MED. avj. 31. — 2) der Frage H. an. MED. — 3) des Tadels und Neides (स्पर्धा) Çābdar. im ÇKDr.

ऊर्म (von अर्ध्व) 1) m. guter Freund, Genosse, Mitglied einer Verbindung oder Verbrüderung: ये मर्त्ये पतनायत्तमूर्मैर्गणावानं न पत्येत मर्गैः RV. 1, 169, 7. यस्मा उर्मोसो अर्मास्त रायस्पोषन् 166, 3. विश्वे देवासोः सुहृत्वास उर्मोः 4, 19, 1. 3, 6, 8. अर्धे सुतस्य पीतये विश्वेदेवेभिरा गाहं । देवेभिरुच्यदातये ॥ 5, 31, 1. ते ने के चिन् तावय उर्मो आसन्दिशि विपे 32, 12. परि व ऊर्मैः सिन्धता मधु 10, 32, 5. 7, 39, 4. 10, 6, 7. 31, 3. 77, 8. 120, 1. 3. उर्मैः पितृभिः Ait. Br. 7, 38. Çākh. Çr. 7, 3, 23. — 2) n. Stadt Un. 1, 142. N. pr. einer Gegend (देशविशेष) Siddh. K. im ÇKDr.

ऊमशा? in अत्यमशा.

ऊय ऊयते = वा, वयति weben, nähren Dhātup. 14, 12.

ऊररी = उररी AK. 3, 4, 32, 15. H. an. 7, 42. MED. avj. 71. उररीकृत eingerräumt, zugesagt H. 1488.

ऊरव्य (von ऊरु) m. ein Vaiçja (aus Brahman's Schenkel entstanden; s. RV. 10, 90, 12. M. 1, 31, 87. 10, 45. R. 3, 20, 31) AK. 2, 9, 1. H. 864. — Vgl. ऊरुज.

ऊरी = उरी P. 1, 4, 61. Vop. 8, 21. AK. 3, 4, 32, 15. H. an. 7, 42. MED. avj. 66. उरीकृत einräumen: तद्दीकृत्य (so ist zu lesen) Hrt. III, 96 = Çīçup. 2, 30. उरीकृत AK. 3, 2, 58. H. 1488.

ऊर्ध्व m. 1) Schenkel Un. 1, 30. AK. 2, 6, 2, 24. H. 613 (nach dem Sch. auch f.). यस्त ऊर्ध्वं विकर्ति RV. 10, 162, 4. 163, 4. 83, 37. 90, 41. ऊर्ध्वं तदस्य यदैष्यः 12. मर्त्ये वसिष्ठ तुविन्मणीर्वीनि दासं शिष्यो कृत्यैः 8, 39, 10. ऊर्ध्वोः TS. 5, 3, 9, 2. यदा हि नम ऊर्ध्वत्यर्थं मिथुनीभ्यतो ऽयं रेतः सिच्यते 6, 3, 8, 6. VS. 4, 27. 8, 55. 20, 8. 23, 6. AV. 8, 6, 3. 10, 2, 3. 11, 8, 14. 14, 2, 39. उर्वरेव वलं धत्ते Çat. Br. 13, 2, 2, 8. 4, 9, 2, 6, 2, 12. 11, 3, 2, 3. Çākh. Çr. 1, 13, 14. 4, 14, 32. vom Schenkel des Opferthieres Ait. Br. 2, 6, 7, 1. — Kāt. Çr. 7, 8, 23. 25, 13, 34. M. 1, 31, 87. 10, 45. MBu. 1, 6827. 2, 2393. Hip. 1, 9. 3, 9. Vas. zu Kumāras. 3, 45. R. 3, 20, 31 (ऊर्ध्वः), 33, 27 उर्वोः). 5, 27, 28. Ragh. 12, 88. Megh. 94. Vet. 16, 20. ब्रह्मेर्वोः संधाने वानु नाम सुघ. 1, 348, 16. ऊर्ध्वं गवरोपमौ R. 3, 32, 32. उर्वर्ध्वं (P. 5, 4, 77. Vop. 6, 8.) n. du. VS. 18, 23. pl. Çat. Br. 8, 3, 4, 5. 4, 3, 11. sg. P. 5, 4, 77. Sch. उर्वर्ध्वं n. Çat. Br. 8, 7, 2, 17. ऊर्ध्वर्त्तन् (P. 5, 2, 135. Vārt. 1) 13, 2, 2, 8. Am Ende eines adj. comp. in einigen Fällen f. ऊर्ध्व, in andern ऊर्ध्व P. 4, 1, 69. 70. Vop. 4, 30. वामोर्ध्वः MBu. 1, 2988. रम्भोर्ध्वं 2401 (die Kürze beide Male gegen Pāṇini). वामोर्ध्वः 1903. वरोर्ध्वः Vikr. 47, 15. वरोर्ध्व voc. Prab. 7, 15. वारोपमोर्ध्वः Ragh. 6, 83. नमनामोर्ध्व voc. R. 5, 22, 2. रम्भोर्ध्व 3, 61, 43. Vikr. 39. वारोर्ध्व Çākh. 69. ad 62. Amar. 69. Vgl. अर्ध्वरुक्. — 2) N. pr. ein Sohn des Manu Kākshusha Hariv. 71. 73. VP. 98.

ऊर्ध्व (ऊर्ध्व + त्र) 1) adj. aus dem Schenkel geboren MBu. 1, 6820. 6826. — 2) m. ein Vaiçja (s. ऊरव्य) AK. 2, 9, 1. H. 864.

ऊर्ध्वर्ध्व (ऊर्ध्व + र्ध्व) adj. bis zum Schenkel reichend Çat. Br. 12, 2, 1, 3. 13, 8, 3, 11.

ऊर्ध्ववन् (ऊ + व) m. n. Knie AK. 2, 6, 2, 23.

ऊर्ध्वफलक (ऊ + फ) n. nach Sr. Lendenschild (Schenkelbein?) Jāgñ. 3, 87. — Vgl. श्रोणिफलक.